नामांक Roll No. | Question Booklet No.

No. of Questions – 20

No. of Printed Pages – 11

SS-23-Sindhi Sah.

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2026

SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2026

सिन्धी साहित्य

(SINDHI SAHITYA)

समय : 3 घण्टे 15 मिनट

पूर्णांक : 80

شاگردن لاءِ ضروري هدايتون -

1) شاگرد سپ کان پهرين پنهنجي سوالي پيپر تي رول نمبر ضرور لکن.

2) سپئي سوال ڪرڻ ضروري آهن.

3) هر هڪ سوال جو جواب، ڏنل جوابي ڪاپيءَ ۾ لکڻو آهي.

4) سوالن جا جواب ڪٽڻ انوسار لکو.

5) سوال جو جواب لکڻ کان اڳ سوال جو نمبر ضرور لکو.

6) سوالن جي سامهون مارڪون ڏنل آهن.

शागिर्दनि लाइ ज़रूरी हिदायतूं -

1) शागिर्द सभ खां पहिरीं पंहिंजे सुवाली पेपर ते रोल नंबर ज़रूर लिखनि।

2) सभई सुवाल करण ज़रूरी आहिनि।

3) हरहिक सुवाल जो जवाबु, डि॒नल जवाबी कॉपीअ में लिखिणो आहे।

4) सुवालनि जा जवाब खण्ड अनुसार लिखो।

5) सुवाल जो जवाबु लिखण खां अगु सुवाल जो नंबर ज़रूर लिखो।

6) सुवालनि जे साम्हूं मार्कूं डि॒नल आहिनि।

ڪٿ 'اَ'

[18×1=18] .1 (i کان xviii) هيٺين سوالن جا صحيح جواب چونڊيو –

i) "مان ڏيا نٿو وڪڻا، مان روشني وڪڻا ٿو." هيءَ لفظ چيا آهن - [1]

اَ) گلابرائه بہ) ڪشنا
س) موهن د) سندر

ii) ساڌو ٽي. ايل. واسواڻيءَ جو جنم ٿيو- [1]

اَ) 16 جنوري 1966 بہ) 25 جنوري 1969
س) 25 نومبر 1879 د) 24 فروري 1979

iii) ڪاڪو ايشور ڪلناڻي رهندو هو - [1]

اَ) ڪرشنا ڪنج بہ) راڌان وهار
س) مانسروور د) شري رام وهار

iv) 'مخالف' لفظ جي معني آهي - [1]

اَ) پيروي بہ) سڦلي
س) اپيوگي د) وروڌي

v) 'ڪيرت ٻاٻاڻي' جي ڪهاڻي آهي - [1]

اَ) ۽ ... اجان ... چو" بہ) هڪ ٻيو ورهاڱو
س) روشنيءَ جو سئوداگر د) محمد رام

vi) .... کي راءِ ڪنگار بہ چوندا هُئا - [1]

اَ) عمر بہ) راءِ ڏياچ
س) انيراءِ د) ڏاهرسين

vii) 'جذبو' ايڪانڪيءَ ۾ ڪردار آهي - [1]

اَ) گوبند بہ) اَشوڪ
س) سندر د) دليپ

viii) 'بحر' لفظ جي معني آهي - [1]

اَ) سمنڊ بہ) رڻپٽ
س) درياهه د) بيابان

ix) 'هري دلگير' جي رچنا آهي - [1]

اَ) هلو بہ) واجهائي ته ڏس
س) زندگي د) ڪلجڳ

(x) مرچومل سوني پنهنجي ڪوتا ۾ ڇا جو ڇٽ ڇنيو آهي - [1]

اَ) ديش پريم | ب) سنڌين جي پيڙا
س) ڪلجڳ | د) ايڪتا

(xi) 'اکر جي اگهي' غزل، .... مجموئي مان ورتل آهي - [1]

اَ) اچا ياد آهي | ب) اڳڻ مٿي اوپرا
س) ٿارين جهليان ٻور | د) مٿو ڪي دويپ

(xii) 'اسان جيڪو ڪُنو چاڙهيو آهي اُن جو ڍڪڻ هيءُ نينگر لاهيندو.' هيءُ لفظ شاهه صاحب .... لاءِ چيا. [1]

اَ) پرسرام ضيا | ب) هري دلگير
س) هوندراج دکايل | د) سچل سرمست

(xiii) 'ڳڻجي ڳهاريون' ڪوتا ۾ ڪويءَ سکيا ڏني آهي - [1]

اَ) آتنڪ ڦهلائڻ | ب) وير وسارڻ
س) پريئن کي پائڻ | د) ديش ڀڳتي

(xiv) سنڌي ٻوليءَ ۾ اکر آهن - [1]

اَ) 46 | ب) 50
س) 52 | د) 62

(xv) 'ٻاهه ٻارڻ' اصطلاح جي معني آهي [1]

اَ) برابري ڪرڻ | ب) پڇتائڻ
س) چوري ڪرڻ | د) تڪليف پيدا ڪرڻ

(xvi) 'ڏيري-ڏيري هلڻ لاءِ' صحيح پهاڪو آهي - [1]

اَ) روڙا اٽڪائڻ | ب) رڍ جي چال
س) ٻوڙ جو گهوڙو | د) واجهه واجهائڻ

(xvii) سورٺي جي پهرئين ۽ ٽئين چرڻ ۾ ماترائون ٿيديون آهن - [1]

اَ) 11 – 11 | ب) 13 – 11
س) 13 – 13 | د) 11 – 13

(xviii) پريو وفا نئين صنف ايجاد ڪئي - [1]

اَ) هائڪو | ب) تستا
س) پنجڪڙا | د) سورٺا

खण्ड "अ"

1. (**i** खां **xviii**) हेठियनि सुवालनि जा सही जवाब चूंडियो – **[18×1=18]**

i) "मां डीआ नथो विकिणां, मां रोशनी विकिणा थो।" हीअ लफ़्ज़ चयां आहिनि- **[1]**

अ) गुलाबराय ब) किशना
स) मोहन द) सुन्दर

ii) साधू टी.एल. वासवाणीअ जो जनमु थियो- **[1]**

अ) 16 जनवरी 1966 ब) 25 जनवरी 1969
स) 25 नवम्बर 1879 द) 24 फरवरी 1979

iii) काको ईश्वर खिलनाणी रहंदो हो - **[1]**

अ) कृष्ना कुंज ब) राधा विहार
स) मानसरोवर द) श्रीराम विहार

iv) 'मुख़ालिफ़' लफ़्ज़ जी माना आहे - **[1]**

अ) पेरवी ब) सफली
स) उपयोगी द) विरोधी

v) 'कीरत बाबाणी' जी कहाणी आहे - **[1]**

अ) ऐं ... अञां... छो" ब) हिक बियो विरहाङो
स) रोशनीअ जो सौदागरुं द) मुहमद राम

vi) ...... खे राइ खंगार बि चवंदा हुआ - **[1]**

अ) उमर ब) राइ डियाच
स) अनीराइ द) डाहरसेन

vii) 'जज़्बो' एकांकीअ में किरदार आहे - **[1]**

अ) गोबिंद ब) अशोक
स) सुन्दर द) दिलीप

viii) 'बहिर' लफ़्ज़ जी माना आहे - **[1]**

अ) समुंड ब) रिणपट
स) दर्याह द) बयाबानु

ix) 'हरी दिलगीर' जी रचना आहे - **[1]**

अ) हलो ब) वाझाए त डिसु
स) ज़िन्दगी द) कलजुग

x) मिर्चूमल सोनी पंहिंजी कविता में छा जो चिटु चिटियो आहे- [1]

अ) देश प्रेम ब) सिंधियुनि जी पीड़ा

स) कलजुगु द) एकता

xi) 'अखरु जे अधे' ग़ज़ल, ___ मज़मूए मां वरतल आहे - [1]

अ) अञा यादि आहे ब) अङण मथे ओपिरा

स) टारियुनि झलियां बूर द) मधु के द्वीप

xii) 'असां जेको कुनो चाढ़ियो आहे उन जो ढकणु हीउ नींगरु लाहिंदों।' [1]
हीअ लफ़्ज़ शाहु साहब ..... लाइ चया।

अ) परसराम ज़िया ब) हरी दिलगीर

स) हूंदराज दुखायल द) सचल सरमस्त

xiii) 'गडिजी धारियूं' कविता में कवीअ सिख्या डिनी आहे - [1]

अ) आंतक फैलाइण ब) वेर विसारण

स) पिरींअ खे पाइण द) देश भगिती

xiv) सिंधी ॿोलीअ में अखर आहिनि - [1]

अ) 46 ब) 50

स) 52 द) 62

xv) 'बाहि ॿारणु' इस्तलाह जी माना आहे - [1]

अ) बराबरी करणु ब) पछ्ताइणु

स) चोरी करणु द) तक़लीफ़ पैदा करणु

xvi) 'धीरे-धीरे हलणु' लाइ सही पहाको आहे - [1]

अ) रोड़ा अटकाइणु ब) रिढ जी चाल

स) डोड़ जो घोड़ो द) वाझ वाझाइणु

xvii) सोरठे जे पहिरिएं ऐं टिऐं चरण में मात्राऊं थीदियूं आहिनि - [1]

अ) 11 – 11 ब) 13 – 11

स) 13 – 13 द) 11 – 13

xviii) प्रभु वफ़ा नईं सिन्फ़ ईजादु कई - [1]

अ) हाइकू ब) टिसिटा

स) पंजकड़ा द) सोरठा

.2 i كان vi) صحيح لفظ چونڊي خال ڀريو - **[6×1=6]**

(خيال، در، پري، جذبات، نيڻ، ڳانءِ)

i) نہ گهوڙو ڪڏهن کلي ٿو ۽ نہ .... ڪڏهن ٽهڪ ڏئي ٿي. **[1]**

ii) ڪسم .... کي سچائي مٿان غالب ٿيڻ ڪون ڏنو هو. **[1]**

iii) سندري هاڻي تہ توکي موهن .... چئي سڏ ڪندو هوندو. **[1]**

iv) اوگڻ ڪري اَپار تو .... آيس داسڙا. **[1]**

v) مئوت هونءَ ڀي .... آهي، خيال آهي زندگي. **[1]**

vi) هيٺ ويٺي مانسروور .... آنسن سان ڀري. **[1]**

2. (i खां vi) सही लफ़्ज़ चूंडे ख़ाल भरियो - **[6×1=6]**

(ख़्यालु, दर, परी, जज़्बात, नेण, गांइ)

i) न घोड़ो कड॒हिं खिले थो ऐं न .... कड॒हिं टहिक ड॒िए थी। **[1]**

ii) कुसुम .... खे सच्चाई मथां ग़ालिबु॒ थियणु॒ कोन ड॒िनो हो। **[1]**

iii) सुन्दरी हाणे त तोखे मोहन ...... चई सडु॒ कंदो हूंदो। **[1]**

iv) अवगुण करे अपार तो .... आयसि दासड़ा। **[1]**

v) मौतु हूंअ भी ..... आहे, ख़्यालु आहे ज़िंदगी। **[1]**

vi) हेठि बीठी मानसरोवर ..... आंसुनि सां भरे। **[1]**

.3 i كان xii) هيٺين سوالن جا جواب هڪ سِٽ ۾ لکو - **[12×1=12]**

i) گوبند ڀين ڀارن کان الهدا ڪيئن لڳندو هو؟ **[1]**

ii) هرداس هاڻي ڪهڙي نالي سان سڏجڻ لڳو هو؟ **[1]**

iii) سنڌ سان پرڏيهي ملڪ چو ساڙ رکندا هُئا؟ **[1]**

iv) نارائڻ شيام ڀکين جي ڏانءُ جو ڪهڙو ذڪرِ ڪيو آهي؟ **[1]**

v) هر ڌرم انسان کي ڇا ٿو سيکاري؟ **[1]**

vi) روچيرام ٻيڪريءَ جو نالو ڪهڙو رکيو؟ **[1]**

vii) موهن سيٺ کان قرض ڇو گهريائين؟ **[1]**

* هيٺين ٽڪري کي پڙهي سوالن جا جواب لکو -

هي اَسانجو ڀارت ديش، اَسانجو راشٽر، لاشڪ هِڪ اهڙو ڪليل اَملهه ڪتاب آهي، جنهنجو هڪ-هڪ ورق، هڪ صفحو نه رُڳو دلچسپ ۽ مزيدار آهي، بلڪ علم ۽ عمل جو خزانو آهي. بهار جي آرٽڪ تور پنتي ڀيل ڀاڳن ۾ به قومي ايڪتا ۽ سنسڪرتيءَ جا پڌار اوهان کي ملندا. آسام ۾ اروڻاچل پرديش جي هيٺاين- مٿاهين سرسبز ماٿرين ۽ پهاڙين ۾ به اوهان کي ڀارتيه ڪلا، ساهتيه، ڪلچر جي ڀرپور جهلڪ ملندي. مڌيه پرديش جي بستيءَ ۾ آديواسي لوڪ ڪلا، چترڪاري، سنگتراشيءَ جون انوکيون شڪتيون موجود آهن. پنجاب پرانت ۾ سُک ۽ آسودگيءَ کان علاوا زندا دلي ۽ شوروپرتا جو درشن ٿيندو. راجسٿان جي چپي-چپي ۾ قرباني، قرب ۽ بهادريءَ جا داستان درج آهن. ڪيرل جي ساون ڀاڳن ۾ علم، هنر جا پڌار آهن. سڀ کان وڏي ڳالهه ته هر هنڌ انسانيت جا ڏيا، قرب جي ڪارون جا خزانا ڏسي سگهنداسين. هيءُ ملڪ هِڪ راشٽر آهي، هڪ قوميت سان اندران ٻاهران شرسار آهي . ۽ اسين اجايو هڪ ٻئي کي جاتي تور سمجهڻ چاٹڻ کان سواءِ تنگدلي ۽ غلط فهميءَ جو هيس تائين شڪار پئي ٿيا آهيون.

viii) مٿئين ٽڪري جو سرو لکو . [1]

ix) قومي ايڪتا جا پڌار ڪٿي ملن ٿا؟ [1]

x) راجسٿان جي چپي-چپي ۾ ڪهڙا داستان درج آهن ؟ [1]

xi) اسين تنگدلي ۽ غلطفهميءَ جا شڪار ڇو ٿيا آهيون؟ [1]

xii) 'هيٺائين' لفظ جو ضد لکو. [1]

3. (i खां xii) हेठियनि सुवालनि जा जवाब हिक सिट में लिखो - [12×1=12]

i) गोबिंद ब॒ियनि ब॒ारनि खां अलहदा कींअ लग॒ंदो हो? [1]

ii) हरदास हाणे कहिड़े नाले सां सड॒जण लगो॒ हो? [1]

iii) सिंध सां परडे॒ही मुल्क छो साड़ रखंदा हुआ? [1]

iv) नारायण श्याम पखियुनि जे डा॒व जो कहिड़ो ज़िक्र कयो आहे? [1]

v) हर धर्म इंसान खे छा थो सेखारे? [1]

vi) रोचीराम बेकरीअ जो नालो कहिड़ो रखियो? [1]

vii) मोहन सेठि खां क़र्जु॒ छो घुर्याईं? [1]

* हेठियें टुकिरे खे पढ़ी सुवालनि जा जवाब लिखो -

ही असांजो भारत देशु, असांजो राष्ट्र, लाशक हिकु अहिड़ो खुलियलु अमुल्ह किताबु आहे, जंहिंजो हिक-हिक वर्क, हिक सफो न रुगो दिलचस्प ऐं मज़ेदार आहे, बल्कि इल्म ऐं अमल जो ख़ज़ानो आहे। बिहार जे आर्थिक तौर पुठिते पियल भाङनि में बि कौमी सभ्यता ऐं संस्कृतिअ जा भंडार अव्हां खे मिलंदा। आसाम में अरुणाचल प्रदेश जे हेठायुनि- मथाहियुनि सरसब्ज माथुरियुनि ऐं पहाड़ियुनि में बि अव्हां खे भारतीय कला, साहित्य, कलचर जी भरपूर झलक मिलंदी। मध्य प्रदेश जे बस्तीअ मैं आदिवासी लोक कला, चित्रकारी, संगतराशीअ जूं अनोखियूं शक्तीयूं मौजूद आहिनि। पंजाब प्रांत में सुख ऐं आसूदगीअ खां अलावा जिंदादिली ऐं शूरवीरता जो दर्शनु थींदो। राजस्थान जे चपे-चपे में कुर्बानी, कुर्बु ऐं बहादुरीअ जा दास्तान दर्ज आहिनि। केरल जे सावनि भाङनि में इल्म, हुनुरू जा भण्डार आहिनि। सभ खां वडी गाल्हि त हर हंधि इन्सानियत जा डीआ, कुर्ब जे कारून जा ख़ज़ाना डिसी सघंदासीं। हीउ मुल्क हिकु राष्ट्र आहे, हिक कौमियत सां अन्दरां बाहिरां शरसार आहे। ऐं असीं अजायो हिक बिए खे ज़ाती तौर समुझण जाणण खां सवाइ तंगदिली ऐं ग़लत फ़हिमीअ जो हेसिताईं शिकारु पिए थिया आहियूं।

viii) मथिएं टुकिरे जो सिरो लिखो। [1]

ix) कौमी सभ्यता जा भण्डार किथे किथे मिलनि था ? [1]

x) राजस्थान जे चपे-चपे में कहिड़ा दास्तान दर्जु आहिनि ? [1]

xi) असीं तंगदिली ऐं ग़लतफ़हिमीअ जा शिकार छो थिया आहियूं ? [1]

xii) 'हेठाईं' लफ़्ज़ जो ज़िदु लिखो। [1]

ڪٿڙ - 'ب'

खण्ड - 'ब'

(4-13) هيٺين سوالن جا جواب اٽڪل 50 لفظن ۾ ڏيو - [10×2=20]

(4-13) हेठियनि सुवालनि जा जवाब अटिकल 50 लफ़्ज़नि में डियो - [10×2=20]

4. محمد رام جي شخصيت جي باري ۾ مختصر لکو. [2]

4. मुहमद राम जी शख़्सियत जे बारे में मुख़्तसर लिखो। [2]

5. ڪسم ليکڪ کي پنهنجو ڪهڙو هال ٻڌايو؟ [2]

5. कुसुम लेखक खे पंहिंजो कहिड़ो हालु बुधायो ? [2]

6. جميتراءِ هڪ ٻيو ورهاڱو ڇو نہ ٿي چاهيو؟ [2]

6. जमितराइ हिक बियो विरहाङो छो न थे चाहियो ? [2]

7. ڀڳت ڪنوررام تي ٽپال کاتي پاران نڪتل ٽڪليءَ بابت ڄاڻ ڏيو. [2]

7. भगत कंवरराम ते टपाल खाते पारां निकितल टिकलीअ बाबत जाण डियो। [2]

8. ساميءَ پنهنجي سلوڪن معرفت ڪهڙي سکيا ڏني آهي؟ [2]

8. सामीअ पंहिंजे सलोकनि मार्फ़त कहिड़ी सिख्या डिनी आहे ? [2]

9. ”او ڪونڌر جي ڪنوار! تون ڪيئن گوندر گهاريئي.“ سِٽ ۾ ڪوي رام پنجواڻي ڇا ٿو چوڻ چاهي؟ [2]

9. “ओ कूंधर जी कुंवारि ! तूं कींअं गूंदर धारिएं।” सिट में कवि राम पंजवाणी छा थो चवणु चाहे ? [2]

10. ’سنڌ ۽ سنڌي‘ ڪوتا ۾ شاعر ڇا جو بيان ڪيو آهي؟ [2]

10. ‘सिंधु ऐं सिंधी’ कविता में शाइर छा जो बयानु कयो आहे ? [2]

11. ’هلو‘ ڪوتا ۾ پرسرام ’ضيا‘ ڪهڙو سنديش ڏنو آهي؟ [2]

11. ‘हलो’ कविता में परसराम ‘ज़िया’ कहिड़ो संदेश ड॒िनो आहे ? [2]

12. ڪاڪي مينگهراج لاءِ جنسي آزار ڇا ٿيو؟ [2]

12. काके मेंघराज लाइ जिंसी आज़ारु छा थियो ? [2]

13. شوڀا موهن اڳيان ڪهڙي رِٿ رکي؟ [2]

13. शोभा मोहन अगि॒यां कहिड़ी रिथ रखी ? [2]

کنڊ - ’س‘

खण्ड - ‘स’

14. حوالو سمجهايو -

”درباني، دروازو کول، آئون پرديسي مڱڻو.“ [3]

يا

”اَمڙ! منهنجي مال جي خوبي ئي نرالي آهي.“

14. हवालो समुझायो -

“दरबानी, दरवाजो खोल, आंऊं परदेसी मङणो।” [3]

या

“अमड़ि ! मुंहिंजे माल जी ख़ूबी ई निराली आहे।”

15. معني سمجهايو -

”آس جي آئني کي جي، لٽ نراشا جي لٿيو،
قوم جي تقدير کي، تدبير سان چمڪائبو.“ [3]

يا

"سڀيئي سهاڳڻيون، سڀني منهن جڙاءُ،
سڀ ڪنهن ڀائيو پاڻ کي، تہ ايندو مون گهر راءُ،
پيٺو تن راءُ، جو پسين پاڻ لڄائيون."

15. माना समुझायो - **[3]**

"आस जे आइने खे जे, लट निराशा जे लटियो,
कौम जी तकदीर खे, तदबीर सां चमिकाइबो।"

या

"सभेई सुहाग॒णियूं, सभनी मुंहं जड़ाउ,
सभ कंहिं भांइयो पाण खे, त ईंदो मूं ग॒रि राउ,
पेठो तनि राउ, जो पसीं पाणु लजा॒इयूं।"

.16 دوهي ۽ سورٺي ۾ ڪهڙو تفاوت آهي ؟ **[3]**

يا

ٽسٽا ڇا کي چئجي ٿو ؟ مثال ڏيئي سمجهايو.

16. दोहे ऐं सोरठे में कहिड़ो तफ़ावत आहे ? **[3]**

या

टिसिटा छा खे चइजे थो ? मिसाल डे॒ई समुझायो।

.17 هيٺين مان ڪن بہ ٽن اصطلاحن / پهاڪن جي معني لِکي جملي ۾ ڪم آڻيو - **[3]**

(i سيک پچائڻ

(ii منهن تڪڻ

(iii دل وٺڻ

(iv آپي کان ٻاهر ٿيڻ

(v پئو ٻارهن ٿيڻ

(vi ڏٻري ڍور کي مڇر گهڻا

17. हेठियनि मां किनि बि टिनि इस्तलाहनि/पहाकनि जी माना लिखी जुमिले में कमि आणियो - **[3]**

i) सीख पचाइणु
ii) मुंहुं तकणु
iii) दिलि वठणु
iv) ओप खां बा॒हिरि थियणु
v) पौ बा॒रंह थियणु
vi) डु॒बिरे ढोर खे मछर घणां

ڪٽ 'د'

खण्ड - 'द'

.18 ليکڪ هري موٽواڻيءَ جي مختصر واقفيت ڏيندين 'اجهو' ناول جون خوبيون لکو. [4]

يا

'اجهو' ناول جي ڪردارن جا نالا لکي، موهن جو چرتر چترڻ ڪريو.

18. लेखक हरी मोटवाणीअ जी मुख़्तिसर वाक़िफ़यत डीं॒दें 'अझो' नॉविल जूं ख़ुबियूं लिखो। **[4]**

या

'अझो' नॉविल जे किरदारनि जा नाला लिखी, मोहन जो चरित्र चित्रण करियो।

.19 هيلٿ آفيسر کي توهان جي ڪالونيءَ جي نالين جي صفائيءَ لاءِ درخواست لکو. [4]

يا

توهان جو نالو راهل آهي توهان ڪوٽا جا رهواسي آهيو، پنهنجي دوست يا ساهيڙيءَ کي ڪوٽا جي دشهري ميلي ۾ گهرائڻ لاءِ نيند ڀريو خط لکو.

19. हेल्थ आफ़ीसर खे तव्हां जे कॉलोनीअ जे नालियुनि जी सफ़ाईअ लाइ दरख़्वास्त लिखो। **[4]**

या

तव्हां जो नालो राहुल आहे तव्हां कोटा जा रहवासी आहियो, पंहिंजे दोस्त या साहेड़ीअ खे कोटा जे दशहेरे मेले में घुराइणु लाइ नींड भरियो ख़तु लिखो।

.20 ڪنهن به هڪ وشيه تي اٽڪل 200 لفظن ۾ مضمون لکو - [4]

i) ماترڀاشا جي اهميت

ii) سماج ۾ وڌندڙ انترجاتي شاديون

iii) آنلائن شاپنگ جو واپار تي اثر

iv) سُٺي صحت اَملهه خزانو

20. कंहिं बि हिक विषय ते अटिकल 200 लफ़्ज़नि में मज़मून लिखो - **[4]**

i) मातृभाषा जी अहिमियत

ii) समाज में वधंदड़ अंतरजातीय शादियूं

iii) ऑनलाइन शॉपिंग जो वापार ते असर

iv) सुठी सिहत अमुल्ह ख़ज़ानो

DO NOT WRITE ANYTHING HERE